



## अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोग टङ्गाल, काठमाडौं

मिति: २०८३।०४।०४ गते।

### प्रेस विज्ञप्ति

**विषय: प्रतिवादी तिलक आलेसमेत रहेको सार्वजनिक सम्पत्ति हानिनोक्सानी गरी भ्रष्टाचार गरेको मुद्दामा विशेष अदालतबाट भएको फैसलाउपर आयोगलाई चित्त नबुझी सम्मानित सर्वोच्च अदालतमा पुनरावेदनको निवेदन दर्ता गरिएको।**

अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोगबाट आन्तरिक राजस्व कार्यालय, धरानका तत्कालीन कर अधिकृत तिलक आलेसमेतका प्रतिवादीहरू उपर आ.व.२०७६।२०७७ मा सुन्दरहरैँचा नगरपालिकाको गछिया खोलामा नदिजन्य पदार्थ उत्खनन् कार्य गरेवापत आन्तरिक राजस्व कार्यालयमा दाखिला गर्नुपर्ने मूल्य अभिवृद्धि कर भ्याट रकम दाखिला नगरी नगराई भ्रष्टाचार गरेकोले भ्रष्टाचार निवारण ऐन, २०५९ को दफा ९ र १७ बमोजिमको कसुरमा सोही ऐनको दफा १७ ले निर्देश गरेबमोजिम बिगो रु.१,२३,६९,६४९/६९ कायम गरी सोही ऐनको दफा ३ को उपदफा (१) को देहाय (झ) तथा भ्रष्टाचार निवारण ऐन, २०५९ (पहिलो संशोधन सहित) को दफा ३ को उपदफा (१) को देहाय (छ) बमोजिम कैद र सोही ऐनको दफा ३ को उपदफा (१) बमोजिम बिगोबमोजिम जरिवाना गरी सोही ऐनको दफा ९ बमोजिमसमेत सजाय हुन मागदाबी लिई विशेष अदालत, काठमाडौंमा आरोपपत्र दायर गरिएकोमा विशेष अदालतले मिति २०८२।१२।१० को फैसलाबाट आंशिक सफाई दिएकोले उल्लिखित फैसलाउपर चित्त नबुझी मिति २०८३।०४।०४ गते सम्मानित सर्वोच्च अदालतमा पुनरावेदनको निवेदन दर्ता गरिएको छ।

प्रवक्ता  
सुरेश न्यौपाने

| सि.नं | प्रतिवादीहरु                                                                                                                                                           | मुद्दा                                                                                 | आयोगको माग दावी तथा विशेष अदालतको फैसला                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  | विशेष अदालतको फैसला र आधार                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                   | आयोगबाट सम्मानित सर्वोच्च अदालतमा पुनरावेदन गरिएका आधारहरु                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |
|-------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| १     | प्रतिवादीहरु<br>आन्तरिक<br>राजस्व<br>कार्यालय,<br>धरानको<br>तत्कालीन<br>कर अधिकृत<br>तिलक आले<br>समेत ३ जना<br>मु.नं (०८२-<br>CR-००३१)<br>फैसला मिति<br>२०८२/१२<br>/१० | गलत<br>लिखत<br>तयार गरी<br>सरकारी<br>सम्पत्तिको<br>हिनामिना,<br>हानीनोक्सानी<br>गरेको। | <p><b>आयोगको माग दावी</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>प्रतिवादी आन्तरिक राजस्व कार्यालय, धरानको तत्कालीन कर अधिकृत तिलक आलेलाई भ्रष्टाचार निवारण ऐन, २०५९ को दफा ९ र १७ बमोजिमको कसूरमा सोही ऐनको दफा १७ ले निर्देश गरे बमोजिम बिगो रु.१,२३,६९,६४९।६९ (अक्षरेपी एक करोड तेइस लाख उननसत्तरी हजार छ सय उनानचास रुपैया उननसत्तरी पैसा) कायम गरी सोही ऐनको दफा ३ को उपदफा (१) को देहाय (झ) तथा भ्रष्टाचार निवारण ऐन, २०५९ (पहिलो संशोधन सहित) को दफा ३ को उपदफा (१) को देहाय (छ) बमोजिम कैद र सोही ऐनको दफा ३ को उपदफा (१) बमोजिम बिगो बमोजिम जरिवाना गरी निज प्रतिवादीलाई सोही ऐनको दफा ९ बमोजिम सजाय हुन मागदावी लिई आरोप पत्र दायर भएको देखिन्छ।</li> <li>प्रतिवादी स्वामिनारायण निर्माण सेवा प्रा.लि. तथा उक्त कम्पनीका प्रबन्धक सन्तोष कुमार बस्नेतलाई भ्रष्टाचार निवारण ऐन २०५९ को दफा ९ र दफा १७ बमोजिमको कसूरको मतियारको कसूरमा सोही ऐनको दफा २२ को प्रतिवन्धात्मक बाक्यांश बमोजिम मुख्य कसूरदार सरह सजाय हुन मागदावी लिई आरोप पत्र दायर भएको देखिन्छ।</li> </ul> <p><b>फैसला</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>प्रतिवादी आन्तरिक राजस्व कार्यालय, धरानको तत्कालीन कर अधिकृत तिलक आलेलाई भ्रष्टाचार निवारण ऐन, २०५९ (पहिलो संशोधन सहित) दफा ९ बमोजिमको कसूरमा ६ महिना कैद र जरिवाना रु.२५,०००। हुने र सोही ऐनको दफा १७ बमोजिमको आरोपदावी पुन नसक्ने ठहर गरी फैसला गरेको देखिन्छ।</li> <li>प्रतिवादी स्वामिनारायण निर्माण सेवा प्रा.लि. र उक्त कम्पनीका प्रबन्धक सन्तोष कुमार बस्नेतलाई भ्रष्टाचार निवारण ऐन २०५९ को दफा ९ बमोजिम हुने सजायलाई आधार मानी सोही ऐनको दफा २२ को प्रतिवन्धात्मक बाक्यांश बमोजिम ६ महिना कैद र स्वामिनारायण निर्माण सेवा प्रा.लि. तथा उक्त कम्पनीका</li> </ul> | <p><b>फैसला:</b></p> <p>प्रतिवादीहरुलाई आशिक सफाई दिने गरी भएको फैसला।</p> <p><b>विशेष अदालतले फैसला गर्दा लिएका आधारहरु:</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>स्वामिनारायण निर्माण सेवा प्रा.लि.ले आ.व.२०७६।२०७७ मा सुन्दरहरैँचा नगरपालिकाको खोलाजन्य पदार्थको बिक्री गर्ने कार्यका लागि बुझाउनुपर्ने मूल्य अभिवृद्धि कर रकम रु.१,२३,६९,६४९।६९ (अक्षरेपी एक करोड तेइस लाख उनान्सत्तरी हजार छ सय उनान्पचास रुपैया उनान्साठी पैसा) आन्तरिक राजस्व कार्यालय, धरान, सुनसरीमा नबुझाएको अवस्थामा प्रतिवादी स्वामिनारायण निर्माण सेवा प्रा.लि.को प्रबन्ध निर्देशक सन्तोष कुमार बस्नेत र आन्तरिक राजस्व कार्यालय, धरानका कर अधिकृत प्रतिवादी तिलक आलेले मूल्य अभिवृद्धि कर तिरेको भनि पत्र तयार गरि भ्रष्टाचार निवारण ऐन, २०५९ को दफा ९ बमोजिमको कसूरजन्य कार्यको मतियार को हैसियतमा कार्य गरेको देखिएकोले निज प्रतिवादीहरुलाई सोही ऐनको दफा ९ बमोजिम ६ महिना कैद र रु.२५,०००।- जरिवाना हुने।</li> <li>प्रतिवादीहरु उपर दावी लिईएको दफा १७ बमोजिमको कसूरको हकमा हेर्दा: आन्तरिक राजस्व कार्यालय धरानबाट उक्त प्रा.लिको कर मुल्यांकन भई सो रकम प्रा.लि.ले बुझाउनु पर्ने गरि कर निर्धारण भएको देखिएको, समयमा कर नतिरे वापत उक्त प्रा.लि.लाई थप दस्तुर र व्याज समेत निर्धारण भएको देखिएको, मूल्य अभिवृद्धि कर रकम</li> </ul> | <ul style="list-style-type: none"> <li>सुन्दरहरैँचा नगरपालिकाको आर्थिक वर्ष २०७६/७७ को गछिया खोलामा नदिजन्य पदार्थ उत्खनन् कार्यको ठेक्का स्वामिनारायण निर्माण सेवा प्रा.लि. ले प्राप्त गरी उत्खनन् कार्य गरेवापत उक्त प्रा.लि. ले आन्तरिक राजस्व कार्यालयमा दाखिला गर्नुपर्ने मूल्य अभिवृद्धि कर भ्याट रकम रु.१,२३,६९,६४९।६९ (एक करोड तेइस् लाख उनान्सत्तरी हजार छ सय उनान्पचास रुपैया उनान्सत्तरी पैसा मात्र) आन्तरिक राजस्व कार्यालयमा दाखिला नै नगरी जानाजान प्रतिवादीहरु स्वामिनारायण निर्माण सेवा प्रा.लि. एवं उक्त प्रा.लि.का प्रबन्ध निर्देशक सन्तोष कुमार बस्नेत र प्रतिवादी तिलक आलेले एक आपसमा मिलेमतो गरी गैर कानूनी लाभका लागि भ्याट दाखिला गरे भएको भनी आन्तरिक राजस्व कार्यालय, धरान, सुनसरीको च.नं.४४७९ मिति २०७७/१२/३० को पत्रमा सुन्दरहरैँचा नगरकार्यपालिका कार्यालयको मिति २०७७/१२/३०, च.नं. २५४३ को प्राप्त पत्रानुसार स्वामिनारायण निर्माण सेवा प्रा.लि.ले आ.व.२०७६।२०७७ मा सुन्दरहरैँचा नगरपालिकाको खोलाजन्य पदार्थको बिक्री गर्ने कार्यका लागि बुझाउनुपर्ने मूल्य अभिवृद्धि कर त्यस प्रा.लि.ले पेश गरेको विवरण अनुसार बुझाईसकेको भनि गलत ब्यहोरा उल्लेख गरेको देखिन्छ। सुन्दरहरैँचा नगरपालिकाको आ.व. २०७६/७७ को खोलाजन्य पदार्थको बिक्री कार्यबाट बुझाउनु पर्ने मूल्य अभिवृद्धि कर स्वामिनारायण निर्माण सेवाले बुझाईसकेको बेहोरा उल्लेख गरेको पत्र जसमा आन्तरिक राजस्व कार्यालय, धरानका कर अधिकृत तिलक आलेको दस्तखत रहेको पुष्टि भई सकेको देखिदा निज प्रतिवादी तिलक आलेलाई भ्रष्टाचार निवारण ऐन, २०५९ को दफा ९ अनुसारको कसूरमा ६ महिना कैद र रु.२५,०००।- जरिवाना हुने, अन्य प्रतिवादीहरु स्वामिनारायण निर्माण सेवा प्रा.लि. तथा उक्त कम्पनीका प्रबन्धक सन्तोष कुमार बस्नेतलाई सोही ऐनको दफा ९ अनुसारको कसूरमा दफा २२ अनुसार ६ महिना कैद र रु.२५,०००।- जरिवाना हुने ठहर गरि फैसला भई सकेको देखिदा यसरी बुझाउँदै नबुझाएको मूल्य अभिवृद्धि कर रकम बुझाएको छ भनि रु.१,२३,६९,६४९।६९ (अक्षरेपी एक करोड तेइस लाख उनान्सत्तरी हजार छ सय उनान्पचास रुपैया उनान्साठी पैसा) नोक्सानी गर्ने उद्देश्यले यिनै प्रतिवादीहरु तत्कालीन कर अधिकृत तिलक आले समेतलाई कार्य गरेको तथ्य पुष्टि भएको देखिन्छ।</li> <li>यि प्रतिवादी तिलक आलेले सुन्दरहरैँचा नगरपालिका, मोरङको आर्थिक वर्ष २०७६/७७ को गछिया खोलामा नदिजन्य पदार्थ बिक्री ठेक्कामा स्वामिनारायण निर्माण सेवा प्रा.लि., धरानले सम्झौता बमोजिम बुझाउनुपर्ने मूल्य अभिवृद्धि कर रु.१,२३,६९,६४९।६९ (एक करोड तेइस् लाख उनान्सत्तरी हजार छ सय उनान्पचास रुपैया उनान्सत्तरी पैसा) राज्यकोषमा दाखिला नगरेको अवस्थामा आन्तरिक राजस्व कार्यालय, धरान, सुनसरीको च.नं.४४७९ मिति २०७७/१२/३० को पत्रबाट स्वामिनारायण निर्माण सेवा प्रा.लि.ले आ.व.२०७६।२०७७ मा सुन्दरहरैँचा नगरपालिकाको खोलाजन्य पदार्थको बिक्री गर्ने कार्यका लागि बुझाउनुपर्ने मूल्य अभिवृद्धि कर त्यस प्रा.लि.ले पेश गरेको विवरण अनुसार बुझाईसकेको भन्ने ब्यहोरा उल्लेख गरी पत्रमा हस्ताक्षर आफैले गरी स्वामिनारायण निर्माण सेवा प्रा.लि. पत्राचार गरेको देखिएको हुँदा नेपाल सरकारलाई तिर्नुपर्ने/बुझाउनुपर्ने मूल्य अभिवृद्धि कर बुझाई नसकेको अवस्थामा बुझाई सकेको भनी स्वामिनारायण निर्माण सेवा प्रा.लि. र सुन्दरहरैँचा नगरपालिकालाई पत्राचार गरी नेपाल सरकारलाई हानी पुऱ्याउने बदनियतले राजस्व वापत बुझाउनु पर्ने रकम रु.१,२३,६९,६४९।६९ (एक करोड तेइस् लाख उनान्सत्तरी हजार छ सय उनान्पचास रुपैया उनान्सत्तरी पैसा) नबुझाएको अवस्थामा सो रकम बुझाएको भनी सोही बेहोराको पत्र लेखेको हुँदा निजको उक्त कार्यबाट नेपाल सरकारको सम्पत्ति हिनामिना हानीनोक्सानी हुन गई भ्रष्टाचार निवारण ऐन, २०५९ को दफा १७ बमोजिमको कसुर गरेको पुष्टी हुन आएकोले निज</li> </ul> |

|  |  |  |                                                                                                                                                       |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                          |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       |
|--|--|--|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
|  |  |  | <p>प्रबन्धक सन्तोष कुमार बस्नेतलाई जनही जरिवाना रु.२५,०००।- हुने र दफा १७ बमोजिमको कसूर तर्फको आरोपदावी पुग्न नसक्ने ठहर गरी फैसला गरेको देखिन्छ।</p> | <p>रु.१,२३,६९,६४९।६९(अक्षरेपी एक करोड तेइस लाख उनान्सत्तरी हजार छ सय उनान्पचास रुपैया उनान्साठी पैसा) आन्तरिक राजस्व कार्यालय, धरान, सुनसरीमा बुझाई सुन्दरहरैँचा नगरपालिकालाई बुझाउनु पर्ने ठेक्का सम्झौताको शर्त रहेकोमा उक्त रकम बुझाई सकेको देखिएकोले प्रतिवादीहरू दावी लिईएको दफा १७ अन्तर्गतको आरोप दावी पुष्टि हुने अवस्था नदेखिदा प्रतिवादीहरू उपर लिईएको दफा १७ तथा सोको मतियार तर्फ दफा २२ बमोजिमको आरोप दावी पुग्न नसक्ने।</p> | <p>प्रतिवादीलाई भ्रष्टाचार निवारण ऐन, २०५९ को दफा ९ को साथै दफा १७ बमोजिम समेत सजाय गरि पाउन समेतको मागदावी लिई आरोप पत्र दायर भएको देखिदा निज प्रतिवादीहरूले तत्काल नोकसान गरेको बिगो रु.१,२३,६९,६४९।६९ (एक करोड तेइस् लाख उनान्सत्तरी हजार छ सय उनान्पचास रुपैया उनान्सत्तरी पैसा) कायम गरी सोही दफा १७ ले निर्देश गरे बमोजिम भ्रष्टाचार निवारण ऐन, २०५९ को दफा ३ को उपदफा (१) को देहाय (झ) र भ्रष्टाचार निवारण ऐन, २०५९ ( पहिलो संशोधन सहित) को दफा ३ को उपदफा (१) को देहाय (छ) बमोजिम कैद र सोही दफा ३ को उपदफा(१) बमोजिम बिगो बमोजिम जरिवाना समेतको सजाय गर्नु पर्नेमा निजहरू विरुद्ध आयोगमा उजुरी परी अनुसन्धान हुँदै गर्दा कानूनी कारवाहीबाट उम्कने बदनियतले मिति २०८०/०६/०२ देखि मिति २०८१/०१/१० गते सम्म विभिन्न मितिमा मूल्य अभिवृद्धि कर (भ्याट) रकम पछिबाट रु.१,२३,६९,६४०।—(एक करोड तेइस् लाख उनान्सत्तरी हजार छ सय पचास) आन्तरिक राजस्व कार्यालय, धरानमा दाखिला गरे गराएको देखिएको भन्ने आधार ग्रहण गरि निजहरूलाई दफा १७ आरोपित कसूरबाट सफाई हुने ठहर गरि भएको फैसला <b>प्रदिपकुमार नकर्मि विरुद्ध नेपाल सरकार (ने.का.प. २०७७, अंक १, नि.नं. १०४१५) भएको भ्रष्टाचार मुद्दामा</b> “कसुर गरेको समयमा कसुरदारले गरेको कार्यबाट नै फौजदारी दायित्व बहन गर्नुपर्ने हुन्छ । कसुर गरेको भनी लगाइएको अभियोग दाबी प्रमाणबाट समर्थित भइसकेपछि तिर्नुपर्ने रकम दायित्व बहन गरिरहेको छु भनी हानी नोक्सानी भएको बिगोसम्म दाखिल गर्ने प्रयोजनका लागि भएका कार्यहरूबाट फौजदारी दायित्वबाट उन्मुक्ति प्राप्त नहुने।” भनी प्रतिपादित नजिर सिद्धान्त विपरित फौजदारी दायित्वको सम्बन्धमा विवेचना नगरि भएको फैसला त्रुटीपूर्ण देखिदा सो हदसम्म बदरभागी छ।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• सुन्दरहरैँचा नगरपालिका, मोरङको आर्थिक वर्ष २०७६/७७ को गछिया खोलामा नदिजन्य पदार्थ बिक्री ठेक्कामा स्वामिनारायण निर्माण सेवा प्रा.लि., धरानले सम्झौता बमोजिम बुझाउनुपर्ने मूल्य अभिवृद्धि कर रु.१,२३,६९,६४९।६९—(एक करोड तेइस् लाख उनान्सत्तरी हजार छ सय उनान्पचास रुपैया उनान्सत्तरी पैसा) राज्यकोषमा दाखिला गरेको अवस्थामा आन्तरिक राजस्व कार्यालय, धरान, सुनसरीको च.नं.४४७९ मिति २०७७।१२।३० को पत्रमा बदनियतपूर्वक गलत ब्यहोरा उल्लेख गरि रकम बुझाएको भनी पत्राचार गरेकोमा प्रस्तुत मुद्दामा उजुरी परी अनुसन्धानको क्रममा आन्तरिक राजस्व कार्यालय, धरानको मिति २०८१/०८/१७ मिति २०८२/०२/१९ को पत्रबाट स्वामिनारायण निर्माण सेवा प्रा.लि.ले ठेक्का वापत सिर्जित मु.अ.कर मिति २०८०/०६/०२ देखि मिति २०८१/०१/१० गतेसम्म जम्मा गरेको तथ्य विभागको Integrated Tax System को RAS अभिलेखबाट देखिएको भनि खुलाई पठाएको र यसरी मिति २०७७।१२।३० मा बुझाउनु पर्ने मूल्य अभिवृद्धि कर नबुझाई बुझाएको छ भनि गलत पत्राचार गरि मिति २०८१/०४/३१ मा थप दस्तुर र ब्याज गरी जम्मा रु.१,४०,२२,९६८।०० बुझाउनुपर्ने देखिएतापनि सो अवधीमा प्रतिवादीहरूले बदनियतपूर्ण तवरले नोक्सानी गरेको कार्यको आधारमा भ्रष्टाचार निवारण ऐन, २०५९ को दफा १७ बमोजिम समेत सजाय गर्नु पर्नेमा दफा १७ को कसूरमा सफाई हुने ठहर गरि भएको फैसला सो हद सम्म त्रुटीपूर्ण देखिदा बदर भागी छ।</li> <li>• आन्तरिक राजस्व कार्यालय, धरानका तत्कालीन कर अधिकृत तिलक आलेले अख्तियार प्राप्त अधिकारी समक्ष गरेको बयानमा मातहतका कर्मचारीको विश्वासमा सो पत्रमा हस्ताक्षर गरेको हो। भुलवस जारी भएको र रकम उल्लेख नभएको हुदाँ सजाय हुनु पर्ने होइन । जब च.नं. २५४३ मिति २०७७/१२/३० को सुन्दरहरैँचा नगरपालिकाको पत्रको बारेमा थाहा भयो म आफूले हस्ताक्षर गरेकोले आफ्नो जिम्मेवारी सम्झी उक्त रकम तत्काल तिर्न दबाव दिए सँगै करदाताले आन्तरिक राजस्व कार्यालय, धरानको च.नं. ४०३२ मिति</li> </ul> |
|--|--|--|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|

|  |  |  |  |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        |
|--|--|--|--|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
|  |  |  |  | <p>२०८०/०२/२५ को पत्र बमोजिम आफ्नो दायित्व स्वीकार गरी रकम बुझाएको हो भनी कर पछि बुझाएको जिकिर लिएतापनि उक्त वारदात समयमा कर नबुझाएको र बदनियत पूर्वक कर चुक्ता पत्र दिएको तथ्य पुष्टि भएको देखियो। स्वामिनारायण निर्माण सेवा प्रा.लि.ले आ.व.२०७६।२०७७ मा सुन्दरहरैँचा नगरपालिकाको खोलाजन्य पदार्थको बिक्री गर्ने कार्यका लागि बुझाउनुपर्ने मूल्य अभिवृद्धि कर त्यस प्रा.लि.ले पेश गरेको विवरण अनुसार बुझाईसकेको भनी पत्राचार गरी सम्बन्धित निर्माण सेवा प्रा.लि.ले नबुझाएको रकम बुझाईसकेको भनी गलत लिखत तयार गरेको देखियो।</p> <p><b>स्वामिनारायण निर्माण सेवा प्रा.लि., धरानको प्रबन्ध निर्देशक सन्तोष कुमार बस्नेतले गरेको बयानमा</b> पछि आन्तरिक राजश्व कार्यालय गएर सरहरूसँग बुझ्दा भ्याट बराबरको रकम जति चाँडो बुझाए त्यति राम्रो भनेपछि मैले केही समय र २ पटकमा १ करोड २३ लाख बराबरको रकम बुझाउन समय माग गरेको र सोही बमोजिम २ पटकमा सम्पूर्ण रकम बुझाएको हो भन्ने समेत व्यहोरा उल्लेख गरेको देखिदा यि प्रतिवादीहरूले आर्थिक वर्ष २०७६/७७ को गछिया खोलामा नदिजन्य पदार्थ बिक्री ठेक्कामा बुझाउनुपर्ने मूल्य अभिवृद्धि कर हानीनोक्सानी गर्ने कार्य गरेको तथ्य पुष्टि भए कै देखिन्छ। उक्त विषयमा उजुरी परेपछि मात्र निजले रकम दाखिला गरेको देखिएको हुँदा उक्त स्वामिनारायण निर्माण सेवा प्रा.लि., धरान र कम्पनीका प्रबन्धक सन्तोष कुमार बस्नेत एवं आन्तरिक राजश्व कार्यालय, धरानका कर अधिकृत प्रतिवादी तिलक आले समेतले गलत मनसाय राखी राजश्व रकम हिनामिना हानीनोक्सानी गरेको तथ्य समेत पुष्टि भएको देखिँदा निज प्रतिवादीद्वयलाई आरोप दावी बमोजिम दफा १७ बमोजिमको कसूर गरेको पुष्टि भएकोले उक्त दफा १७ को हदसम्म फैसला बदर गरी आरोपदावीबमोजिम सजाय गरी पाउन अनुरोध छ। यिनै प्रतिवादीहरूलाई गलत लिखत तयार गर्न लगाएको र गरेको कसूरमा कैद र जरिवाना समेत भएकोले दफा १७ बमोजिमको कसूर समेत गरेको पुष्टि भएकोले निज प्रतिवादी द्वयलाई भ्रष्टाचार निवारण ऐन, २०५९ को दफा १७ बमोजिम समेत सजाय गर्नुपर्नेमा सो हदसम्म सफाई हुने ठहर गरि भएको फैसला त्रुटीपूर्ण देखिँदा बदरभागी छ।</p> <p>• <b>अतः</b> माथी उल्लेखित आधार कारणहरू एवं मिसिल संलग्न प्रमाणहरूका आधारमा प्रतिवादी तिलक आले, सन्तोष कुमार बस्नेत, र स्वामिनारायण निर्माण सेवा प्रा.लि.लाई भ्रष्टाचार निवारण ऐन, २०५९को दफा १७ अनुसार समेत सजाय गर्नुपर्नेमा दफा १७ को कसूरको हकमा सफाई हुने ठहर गरि विशेष अदालतबाट भएको फैसला त्रुटीपूर्ण देखिँदा उक्त फैसला सो हद सम्म बदर गरि निज प्रतिवादीहरूलाई आरोप दावीबमोजिम सजाय गरि पाउन सम्मानित अदालतसमक्ष सादर अनुरोध गरिन्छ।</p> |
|--|--|--|--|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|